

(ii) विशेषण आश्रित उपवाक्य-

जब कोई आश्रित उपवाक्य किसी संज्ञा की विशेषता बताने वाले शब्द अर्थात् विशेषण पर आश्रित हो, तो उसे विशेषण आश्रित उपवाक्य कहते हैं।

जैसे- जो व्यक्ति ईमानदार होता है, उसका सभी आदर करते हैं  
 विशेषण आश्रित उपवाक्य प्रधान उपवाक्य

मैंने एक सॉप देखा जो बहुत लम्बा था।

↓  
प्रधान उपवाक्य

↓  
विशेषण आश्रित उपवाक्य

मैंने वही पुस्तक खरीदी है, जो मुझे पसंद थी।

↓  
प्रधान उपवाक्य

↓  
विशेषण आश्रित उपवाक्य

यह वही लड़का है जिसने चोरी की थी।

↓  
प्रधान उपवाक्य

↓  
विशेषण आश्रित उपवाक्य

जो व्यक्ति दान करता है, वही दानी कहलाता है।

↓  
विशेषण आश्रित उपवाक्य

↓  
प्रधान उपवाक्य

मैं उस भइके को जानता हूँ, जिसने लोप किया था।

↓  
प्रधान उपवाक्य

↓  
विशेषण आश्रित उपवाक्य

भीतर एक भइकी खड़ी है, जिसके भाल बाल हैं।

↓  
प्रधान उपवाक्य

↓  
विशेषण आश्रित उपवाक्य



**विशेष-** (i) विशेषण आश्रित उपवाक्य का प्रारम्भ प्रायः

जो, जिसने, जिसका, जिसकी, जिसके इत्यादि से किया जाता है।

(ii) विशेषण आश्रित उपवाक्य की पहचान के लिए

प्रधान उपवाक्य से 'कौन/किसे' के प्रश्न किये जाने पर जो उत्तर मिलता है, उसे विशेषण आश्रित उपवाक्य कहते हैं।

(iii) क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य-

जब कोई आश्रित उपवाक्य क्रियाविशेषण पर आश्रित हो, क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य कहलाता है।

जैसे- जब आप जाओ तब मुझे बताना देना।  
                                   प्रधान उपवाक्य                                   आश्रित उपवाक्य

जहाँ हम जाएँगे वहाँ तुम भी चलेना।

जैसे-जैसे जाम खुला वैसे-वैसे भीड़ कम हुई।

जब पानी बरस रहा था तब हम घर के भीतर थे।

जैसे-ही मैं घर पहुँचा, वैसे-ही बरसात रुक गई।

जहाँ आप रहते हो, वहाँ मेरा भाई भी रहता है।



जैसी करनी वैसी अरनी।

जब-जब अधर्म होगा तब-तब प्रभु अवतार लेंगे।

विशेष:- क्रियाविशेषण आश्रित उपवाक्य की पहचान के लिए वाक्य में 'जैसे-जैसे, वैसे-वैसे, जितना-उतना', जब-तब, जिधर-उधर, ज्योंहि-त्योंहि इत्यादि लिखा रहता है।